भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 868
(07 फरवरी, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए)

पीएमएवाई जी के अन्तर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आवास प्रदान करना

868. श्री घनश्याम सिंह लोधी:

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) की स्थिति क्या है;
(ख) क्या पीएमएवाई-जी के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के सभी परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और यदि हां , तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) ग्रामीण क्षेत्रों में इसके पात्र लाभार्थियों को दी गई सहायता का ब्यौरा क्या है और इस योजना के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग निर्धारित की गई राशि क्या है; और
(घ) सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(साध्वी निरंजन ज्योति)

(क): प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत , पिछले तीन वर्षों यानी 2019-20 से 2021-22 के दौरान लाभार्थियों के लिए 1,32,92,346 आवास स्वीकृत किए गए है और 97,67,804 आवासों का निर्माण किया गया है।

(ख): पीएमएवाई-जी के तहत लाभार्थियों की पहचान सामाजिक-आर्थिक जातिगत जनगणना (एसईसीसी) 2011 डेटाबेस और अंतिम आवास+ सर्वेक्षण सूची से आवासीय अभाव के मापदंडों के आधार पर की जाती है।

(ग): यह योजना मैदानी क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपये और पहाड़ी राज्यों (पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र सहित) , दुर्गम क्षेत्रों और एकीकृत कार्य योजना (आईएपी) जिलों में 1.30 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण (एसबीएम-जी), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) या वित्त पोषण के अन्य स्त्रोतों के अभिसरण के माध्यम से शौचालयों के निर्माण के लिए 12,000/- रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाती है। पीएमएवाई-जी लाभार्थियों को मनरेगा के साथ अभिसरण के माध्यम से अपने आवासों के निर्माण के लिए वर्तमान दरों पर 90/95 श्रम दिवसों की अकुशल मजदूरी रोजगार की सहायता भी प्रदान की जाती है। पीएमएवाई-जी को देश के केवल ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यान्वित किया जाता है। शहरी क्षेत्र पीएमएवाई-जी के तहत शामिल नहीं है।

(घ): पीएमएवाई-जी ने ग्रामीण क्षेत्रों में आवासों के निर्माण के माध्यम से कुशल और अकुशल श्रमिकों दोनों के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। इसके अलावा , लगभग 1.73 लाख राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित ग्रामीण राजमिस्त्री के रूप में प्रमाणित किया गया है। यह राजमिस्त्री पीएमएवाई-जी के तहत आवास निर्माण क्षेत्र में स्थानीय रोजगार प्राप्त करने में भी सक्षम हुए हैं। इस योजना ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। उपरोक्त के अलावा विभिन्न ग्रामीण विकास और अन्य योजनाएं , ग्रामीण क्षेत्रों को बुनियादी ढांचा और कल्याणकारी लाभ दोनों प्रदान करना चाहती हैं , जो पलायन के कारकों को कम करती हैं।

*****